hindustantimes

4 to 6 pm—it's playtime in these Muzaffarnagar villages

Children in twin villages of Muzaffarnagar engaging in sports activity to mark the launch of model sports village on Tuesday. HT

HT Correspondent
letters@htlive.com

LUCKNOW: Bahadurpur and Kheri Viran, the twin villages in western UP's Muzaffarnagar, wore a different look on Tuesday. Each house in the twin villages had a sticker affixed to its walls that carried an unusual message.

"From 4 pm to 6 pm will be time for sports and during this time, all electronic gadgets and TVs should remain switched off," the message read.

Welcome to model sports villages where a sports calendar was distributed to the villagers.

The villages also boast of a new outlet selling sports equipment at subsidised rates to those who desire, a TV set that broadcasts only sports events for villagers, and a motivator who talks to them about the importance of sports, are other unique aspects here.

> I presume this initiative will prosper and blossom into evolving a sports culture and similar work will be carried out in other villages
>
> SC KULSHRESTHA, Sri Ram Group of Institutions (Muz'nagar) chairman

A short film on why participation in sporting activities was necessary was also screened.

Institute of Management Technology (IMT) Ghaziabad research centre head and Sports: A Way of Life president Kanishka Pandey is the man behind the effort. "If we want to win medals in Olympics we will have to ensure that the young take a liking to sports early on," he said.

Retired bureaucrat Vijay Shankar Pandey, lauded Pandey's effort to develop model sports villages. "It could well develop into a model for sports development in this country," he said.

"This will help evolve a sports culture in this country and write a new chapter in the sports world in the times to come," Arjuna Awardee Gopal Saini said.

"I presume this initiative will prosper and blossom into evolving a sports culture and similar work will be carried out in other villages," said Sri Ram Group of Institutions (Muzaffarnagar) chairman SC Kulshrestha.

"IMT will ensure that there isn't any fund crunch for this move," said IMT Ghaziabad dean PK Vishwas.

बच्चों को अपने लक्ष्य के लिए बचपन से ही केन्द्रित होकर अथक प्रयास करने चाहिएं : अशोक ध्यानचन्द

मुजफ्फरनगर, 3 मार्च (कौशिक): जनपद के ग्राम बहादरपुर व खेड़ी विरान में गोद लिए गांव में आई.एम.टी. गाजियाबाद एवं चलो खेल की ओर संस्था द्वारा विशाल कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बोलते हुए मुख्यातिथि व हॉकी अर्जुन पुरस्कार विजेता अशोक ध्यानचंद ने कहा कि बच्चों को अपने लक्ष्य पूर्ति के लिए बचपन से ही केन्द्रित होकर सकारात्मकता से अथक प्रयास करना चाहिए। बच्चों का खेलों के प्रति रुझान बढ़ाने के लिए स्पोर्ट्स ए वे ऑफ लाइफ व आई.एम.टी. गाजियाबाद के द्वारा जो यह पहल की गई है वह काबिले तारीफ है। यह जरूरी नहीं कि सपनों को साकार करने के लिए पैसा हो, जनून एवं कठिन प्रयासों से भी सपने साकार होते हैं।

अतिथि विजय शंकर पांडेय ने कहा कि यह आदर्श खेल गांव देश में खेल संस्कृति के विकास के लिए एक मील का पत्थर साबित होगा और भविष्य में हमें उम्मीद है कि देश के सभी राज्यों की सरकार खेल को बढ़ावा देने के लिए इस मॉडल को अपनाएगी। स्पोर्ट्स ए वे ऑफ लाइफ के संरक्षक और श्रीराम कॉलेज मुज्जफरनगर के चेयरमैन डा. एस.सी. कुलश्रेष्ठ ने कहा कि इस योजना से देश में खेल संस्कृति विकसित होगी और मुझे उम्मीद है कि मॉडल स्पोर्ट्स विलेज से प्रेरित होकर देश के अन्य गांवों में भी कार्य होगा। यह देश के लिए एक नई मिसाल होगी।

मुजफ्फरनगर में ग्राम बहादरपुर में विजेता बच्चों के साथ अतिथिगण। (कौशिक)

इस अवसर पर बोलते हुए आई.एम.टी. गाजियाबाद के डीन रिसर्च प्रो. पी.के. बिश्वास ने कहा कि इस गांव में खेल को प्रोत्साहित करने के लिए तथा खेल संस्कृति के विकास के लिए हर तरह की आर्थिक सुविधाएं मुहैया कराई जाएंगी और देश का यह एक अनूठा गांव भविष्य में बन जाएगा। अति विशिष्ट अतिथि कुश्ती के अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ी एवं कोच तथा द्रोणाचार्य पुरुस्कार विजेता सतपाल यादव ने कहा कि दो दिन चली इस प्रतियोगिता में बच्चों ने जोश और जनून के साथ उतरकर आयोजन को सफल बनाने के साथ-साथ अपने खेल कौशल की प्रतिभा को प्रदर्शित किया है। साथ ही खेलों के माध्यम से विद्यार्थियों में अनुशासन और नेतृत्व क्षमता का गुण भी विकसित होता है जो उनके व्यक्तित्व को निखारने का काम करता है।

इस अवसर पर स्पोर्ट्स थिएटर का उद्घाटन अति विशिष्ट अतिथि सुभाष पहलवान अर्जुन पुरुस्कार विजेता एशिया चैम्पियन के कर कमलों द्वारा किया गया।

कार्यक्रम को सफल बनाने में डा. प्रेरणा मित्तल प्राचार्या श्रीराम कॉलेज, डा. प्रमोद कुमार विभागाध्यक्ष शारीरिक शिक्षा विभाग, डा. नीतू सिंह, डा. अजीज, भूपेन्द्र कुमार, संदीप कुमार, अमरदीप, अनुज, अंकित कुमार, रवि गौतम एवं शारीरिक शिक्षा विभाग व पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के अन्य छात्र-छात्राओं का सराहनीय योगदान रहा।

कार्यशाला : जिले के जुड़वा गांव बहादरपुर और खेड़ी विरान में स्पोर्ट्स विलेज बनाने को जुटे खिलाड़ी और अधिकारी

सफलता के लिए जुनून की जरूरत : ध्यानचंद

मुजफ्फरनगर | संवाददाता

प्रदेश के पहले मॉडल स्पोर्ट्स विलेज के रूप में विकसित हो रहे जिले के सिसेड़ा क्षेत्र के जुड़वा गांव बहादरपुर व खेड़ी विरान अब खेल जगत में एक मिसाल बन गए हैं। गांव के सभी वर्गों के लोग, बच्चे, युवा, महिला वृद्ध सभी आज खेलों के रंग में रंगे दिखायी दिये। गांव की दीवारें, घरों की बैठक, घरों के आंगन, हर तरफ बस खेल ही खेल का जिक्र नजर आया। इन खेलों में भी ओलम्पिक खेलों पर फोकस रखा गया है।

मंगलवार को स्पोर्ट्स विलेज में आयोजित कार्यक्रम का मुख्य अतिथि अर्जुन अवॉर्डी भारतीय हाकी टीम के पूर्व कप्तान रहे अशोक ध्यानचंद, आईएमटी गाजियाबाद के अध्यक्ष व डीन अनुसंधान प्रो. पीके विश्वास और प्रमुख आयोजक, आईएमटी गाजियाबाद के अध्यक्ष स्पोर्ट्स रिसर्च सेंटर डा. कनिष्क पांडेय ने शुभारंभ किया।

दो दिवसीय पढ़ो खेलो और आगे बढ़ो खेल कार्यशाला के समापन समारोह का धूमधाम से आयोजन किया गया। प्राथमिक विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने विभिन्न रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किए। साथ ही लगभग 478 बच्चों ने विभिन्न खेलों में अपनी प्रतिभा दिखाई।

मुख्य अतिथि एवं हॉकी अर्जुन पुरस्कार विजेता अशोक ध्यानचन्द ने कहा कि वह मुजफ्फरनगर में 30 साल पहले हॉकी खेली थी। बताया कि जनपद पहले से ही खेलों में आगे रहा है। यहां से कई खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय खेलों में शानदार प्रदर्शन कर पदक जीते हैं।

कहा कि बच्चों का खेलों के प्रति रूझान बढ़ाने के लिए स्पोर्ट्स ए-वे-ऑफ लाइफ एवं आईएमटी गाजियाबाद के द्वारा जो यह पहल की गई है वह काबिले तारीफ है। यह जरूरी नहीं कि सपनों को साकार करने के लिए पैसा हो, जुनून एवं कठिन प्रयासों से भी सपने साकार होते हैं। हमारे समय में तो असुविधाएं थीं लेकिन अब हमारा लक्ष्य बच्चों को सुविधाएं देकर परदे के पीछे छिपी प्रतिभाओं को उजागर कर बच्चों को ओलंपिक के लिए तैयार करना है।

मुजफ्फरनगर में मंगलवार को बहादरपुर गांव में प्राथमिक विद्यालय में खेल कार्यशाला में मंचासीन अतिथि।

मुजफ्फरनगर में मंगलवार को बहादरपुर गांव में प्राथमिक विद्यालय में खेल कार्यशाला में उपस्थित ग्रामीण।

अशोक ध्यानचंद, अर्जुन अवार्ड विजेता

इन्होंने कहा..

-पूर्व सचिव भारत सरकार विजय शंकर पाण्डेय ने कहा कि यह आदर्श खेल गांव देश में खेल संस्कृति के विकास के लिए एक मील का पत्थर होगा और भविष्य में हमें उम्मीद है कि देश के सभी राज्यों की सरकार खेल को बढ़ावा देने के लिए इस मॉडल को अपनायेंगे।

-नामवीन एथलीट रहे गोपाल सैनी ने कहा कि यह गांव देश के लिए एक दिये के समान रहेगा, जिसकी रोशनी पूरे देश में फैलेगी और खेल तथा खेल संस्कृति की नई इबारत लिखी जाएगी।

-संरक्षक और श्रीराम ग्रुप आफ कॉलेज के चेयरमेन एससी कुलश्रेष्ठ ने कहा कि इस योजना से देश में खेल संस्कृति विकसित होगी और उन्हें उम्मीद है कि मॉडल स्पोर्ट्स विलेज से प्रेरित होकर देश के अन्य गांवों में भी यह कार्य होगा।

-आईएमटी गाजियाबाद के डीन रिसर्च प्रो. पीके विश्वास ने कहा कि इस गांव में खेल को प्रोत्साहित करने के लिए तथा खेल संस्कृति के विकास के लिए हर तरह की आर्थिक सुविधाऐं मुहैया करायी जायेंगी और देश का यह एक अनूठा गांव भविष्य में बन जाएगा।

स्पोर्ट्स थियेटर का उदघटन किया गया

कार्यक्रम में अति विशिष्ट अतिथि सुभाष पहलवान, अर्जुन पुरस्कार विजेता, एशिया चैंपियन ने संयुक्त रूप से स्पोर्ट्स थिएटर का उद्घाटन किया। कुश्ती के अन्तर्राष्ट्रीय खिलाड़ी, कोच एवं द्रोणाचार्य पुरस्कार विजेता सतपाल यादव ने कहा कि दो दिन चली प्रतियोगिता में बच्चों का जोश- जुनून और उनका खेल कौशल देखते ही बनता था। बताया कि खेल से अनुशासन और नेतृत्व क्षमता का गुण विकसित होता है, जो बच्चों के व्यक्तित्व को निखारने में सहायक होता है।

ये रहे उपस्थित

कार्यक्रम में एथलीट अर्जुन अवॉर्डी गोपाल सैनी, कुश्ती में अर्जुन अवॉर्डी सतपाल यादव, सीडीओ आलोक यादव, एडीएम प्रशासन अमित कुमार सिंह, डा. प्रेरणा मित्तल प्राचार्या श्रीराम कॉलेज, डा. प्रमोद कुमार, विभागाध्यक्ष शारीरिक शिक्षा विभाग, डा. नीतू सिंह, डा. अजीज, भूपेन्द्र कुमार, संदीप कुमार, अमरदीप, अनुज, अंकित कुमार, रवि गौतम आदि रहे।

'क' से कबड्डी और 'ख' से खो-खो पढ़ेंगे बच्चे

मुजफ्फरनगर | संवाददाता

देश भार में खेलों को लेकर चर्चा में रहे मॉडल स्पोर्ट्स विलेज, बहादरपुर और खेड़ी विरान की तस्वीर बदल गई है। यहां बच्चों को खेलों के प्रति जागरूक करने और उनमें खेल भावना पैदा करने के लिए प्रयास तेज हो गए हैं। यहां तक की गांव में घरों की दिवारों पर भी खेलों से संबंधिकत आलेख लिखे गए है। बच्चों को खेलों के प्रति जागरूक करने के लिए खेलों से संबंधी किताबे दी गई है। इन किताओं में क से कबूतर नहीं कबड्डी लिखा है, ख से खरगोश नहीं खो-खो लिखा है।

मंगलवार को स्पोर्ट्स ए-वे-ऑफ लाइफ एनजीओ के अध्यक्ष एवं आईएमटी गाजियाबाद स्पोर्ट्स रिसर्च सेन्टर हेड डा. कनिष्क ने बताया कि देश के दो हजार गांवों में सर्वे करने के बाद इन दोनों गांवों को खेल गांव के लिए चुना गया। इससे देश भर में जनपद मुजफ्फरनगर का नाम रोशन हुआ है। बताया कि यहां खेलों को बढ़ावा देने के लिए गांव खेलों के रंग में रंगे दिखायी दिए। गांव की दीवारे, हर घर की चौखठ, आंगन आदि पर खेल से संबंधी आलेख देखने को मिले। पुरुष, महिला हों या बच्चे सब खेलों के प्रति जागरूक नजर आए। उन्होंने बताया कि इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य ऑलंपिक खेलों पर फोकस रखकर किया गया है। गांव में स्पोर्ट्स शॉप भी खोली गई है।

पहल

- मॉडल स्पोर्ट्स विलेज, बहादरपुर और खेड़ी विरान में घर-घर बच्चों को दी गई किताबें
- शाम 4 से 6 नहीं चलेंगे कम्प्यूटर व टीवी, गांव के बच्चे खेलेंगे सिर्फ खेल

डा. कनिष्ठ पाण्डेय, खेल शोधकर्ता।

इतना ही नहीं बच्चों को खेलों के प्रति जागरूक करने के लिए एक एलईडी भी गांव में हमारे एनजीओ ने लगाया है। इसपर केवल खेल चैनल ही चलाए जाएंगे। इन दो दिनों में विभिन्न प्रकार के खोलों का आयोजन किया गया, जिसमें आंगन से लेकर खेल के मैदान तक खेलों में प्रतिभाग करने वाले सभी को मेडल देकर सम्मानित भी किया गया।

डा. कनिष्क पाण्डेय ने बताया कि हमाने पहले चरण में दो गांव को चुना है। डा. कनिष्क ने वैज्ञानिक शोध किया और फिर स्पोर्ट्स निरक्षरता को दूर करने की मुहिम शुरू की। उनका कहना है कि जब हम खेलों के बारे में जानेंगे ही नहीं, बच्चों को बतायेंगे नहीं तो ओलम्पिक में पदक कैसे जीत पाएंगे।

यूरोपीय देशों ने छीन लिया 'हॉकी' : अशोक

संवाद सूत्र, सिखेड़ा (मुजफ्फरनगर) : हॉकी के जादूगर स्व. मेजर ध्यानचंद के पुत्र अशोक ध्यानचंद ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि खेलों में बेहतर कार्य करने की जरूरत है। मुजफ्फरनगर से उनका गहरा नाता है। उनके पिता यहां खेलकर गए हैं। गांवों में छिपी प्रतिभाएं निखारने से मेडल आएंगे। उन्होंने कहा कि कब तक पुराने ओलंपिक मेडल की गाथा सुनाएंगे, अब नई प्रतिभाएं खोजी जाए।

आदर्श खेल गांव खेड़ी वीरान में कार्यशाला पहुंचे हॉकी में अर्जुन अवार्डी अशोक ध्यानचंद ने कहा कि अभिभावकों, शिक्षकों को भी बच्चों में खेल भावनाएं जगानी होंगी। मुजफ्फरनगर के युवाओं की शारीरिक बनावट का भी जिक्र किया। यहां के बच्चों में विश्व पटल पर छाने की कुव्वत है। उनके चेहरे पर खेलों में सरकार और उत्तर प्रदेश स्पोर्ट्स के सही रूप से कार्य नहीं करने की टीस भी दिखी। उन्होंने कहा कि हर जिले, बेल्ट में खेलों को आगे बढ़ाया जाए। हॉकी के खेल पर बोले कि पहले हॉकी घास पर खेली जाती थी, लेकिन यूरोपियन देशों ने इसे हम से छीन लिया। एस्टोटर्फ पर हॉकी खेली जा रही है। इस कारण

अशोक ध्यानचंद

सुभाष वर्मा

गोपाल सैनी

सतपाल यादव

अब गांव, शहर, कस्बों से हॉकी के कम ही खिलाड़ी सामने आ रहे हैं। इसके लिए सामूहिक पहल करने की आवश्यकता है।

बच्चों को मोबाइल से रखें दूर : गोपाल

एथलीट गोपाल सैनी ने बताया कि बच्चों को दो घंटे मोबाइल, लैपटॉप व टीवी से दूर करते हुए खेल के लिए समय देना होगा। अभिभावकों को चाहिए कि जिस तरह से बच्चों पर पढ़ाई के लिए जोर दिया जाता है, उसी तरह से दो घंटे खेल के लिए प्रेरित करें। गांव में खान-पान अच्छा होने के कारण ही युवाओं का शरीर बेहतर फिट रखा जा सकता है, जो खेल में सहायक होगा। उन्होंने अभिभावकों से उनके बच्चों को खेल के मैदान में नियमित रूप से भेजने का आग्रह किया।

गांवों को गोद लिया जाए : सतपाल

कुश्ती में ओलंपिक खिलाडी सतपाल यादव ने कहा कि गांव के विकास के साथ साथ खेल पर भी विशेष ध्यान देने की जरूरत है। पहली बार किसी ने गांव को खेल के लिए गोद लेने के लिए चुना है। यह एक अच्छी पहल है। उन्होंने गांव के लोगों से इस मुहिम में आगे आकर अपने बच्चों को खेल की दुनिया में बढ़ने की जरूरत पर बल दिया। इसके लिए सबको प्रयास करना चाहिए।

ग्रामीण अंचलों में छिपी है प्रतिभा : वर्मा

कुश्ती में भारत केसरी सुभाष वर्मा ने एक सवाल के जवाब में बताया कि वह भी गांव से निकलकर आए हैं। गांव का युवा यदि अपने मन में निश्चय कर ले तो बहुत आगे जा सकता है। *गांव में छिपी प्रतिभाओं को निकालने में अभिभावक ही मदद कर सकते है।* उन्हें उनकी इच्छा का खेल चुनने में उसकी सहायता करे तो हमारे देश में भी पदक लाने वालों की कोई कमी नहीं रहेगी। गांव की प्रतिभा को निखारने की जरूरत है, उसके लिए स्वजन ही सबसे बेहतर विकल्प हो सकते हैं।

खेलों को चुनौती के रूप में लें, मिलेगी सफलता

मुख्य अतिथि के रूप में पधारे हाकी के प्रसिद्ध जादूगर मेजर ध्यानचंद के पुत्र अर्जुन अवार्डी अशोक ध्यानचंद ने किया संबोधित

कार्यक्रम में मंचासीन अतिथि। ■ प्राच - जनवाणी

कार्यक्रम के दौरान स्त्री-स्त्री प्रतियोगिता में प्रतिभाग करते बालक। ■ छाया -

प्रतियोगिताओं में प्रतिभाग करने वाली को पुरस्कृत करते अतिथि।

● जनवाणी संवाददाता, मुजफ्फरनगर

ग्राम बहादरपुर एवं खेड़ी विरान में गोद लिये गांव में आईएमटी गाजियाबाद एवं चलो खेल की ओर संस्था द्वारा आयोजित विशाल कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पधारे हाकी के प्रसिद्ध जादूगर मेजर ध्यानचंद के पुत्र अर्जुन अवार्डी अशोक ध्यानचंद ने कहा खेलों को चुनौती के रूप में लेंगे तो निश्चित रूप से सफलता प्राप्त होगी। अशोक ध्यानचंद ने कहा कि बचपन से ही खेलों के प्रति रुचि जागृत करने के लिए बच्चों को दौड़ लगानी चाहिए। उन्हीं में आने वाले कल के खिलाड़ी छिपे है। उन्होंने बच्चों को टिप्स देते हुए कहा कि सिर्फ लम्बे से ही अगर आप काम करेंगे तो निश्चित रूप से आपको सफलता मिलेगी। कुश्ती खिलाड़ी सत्यपाल यादव ने भी कहा कि बच्चे कुश्ती को अपना कैरियर बनाये

आयोजक कनिष्क पाण्डेय ने कहा कि गांव में 'विकसित कराये जायेंगे' सभी तरह के खेल, बच्चों को मिलेंगी खेल सुविधाएं

ग्राम बहादरपुर खेड़ीविरान में आयोजित कार्यक्रम में उमड़ी भीड़

इस खेल का भविष्य काफी उज्जवल है। उन्होंने हरियाणा की खिलाड़ी बबीता फोगाट और मुजफ्फरनगर की कुश्ती खिलाड़ी दिव्या काकरान का जिक्र करते हुए कहा कि इन दोनों ने अपनी मेहनत के बल पर आज गोल्ड मैडल जीतकर देश का नाम रोशन किया है। लम्बी दौड़ में विदेश में गोल्ड मैडल जीतकर लाने वाले अर्जुन अवार्डी सोमपाल मैनी ने कहा कि दौड़ से जहां शरीर फिट रहता है वहीं, खिलाड़ी में नई ऊर्जा का संचार होता है और वह पूरे मनोयोग से अपने खेलों के प्रति समर्पित हो जाता है। दिल्ली सरकार के प्रमुख सचिव रहे विजय शंकर पाण्डेय ने बच्चों को अपना आशीर्वाद देते हुए कहा कि आज के समय में तो बहुत सुविधाएं मिलती है बच्चे उन सुविधाओं का लाभ उठायें और खेलों को कैरियर बनाने के लिए लगातार प्रयास करते रहें। कार्यक्रम के आयोजक आईएमटी के हैड ऑफ दी सेम्प डिपार्टमेंट डा. कनिष्क पांण्डेय ने कहा कि उन्होंने मुजफ्फरनगर के गांव बहादरपुर और खेड़ी विरान में वह एक छोटी सी पहल की है इसे सभी का इतना सहयोग मिल रहा है कि भविष्य में मुजफ्फरनगर की धरती देश में नाम रोशन करने वाले खिलाड़ियों को पैदा करेगी। उन्होंने कहा कि मुजफ्फरनगर के गांव में उनका प्रयास है कि खेल स्टेडियम का भी निर्माण हो तथा बच्चों को एक ही छत के नीचे सभी खेल सुविधाएं मिले। उन्होंने सभी आये हुए अतिथियों खासकर संरक्षक श्रीराम कालेज के चेयरमैन डा. एससी कुलश्रेष्ठ का विशेष रूप से आभार प्रकट किया। श्रीराम कालेज के चेयरमैन डा. एससी कुलश्रेष्ठ ने कहा कि उन्होंने इस खेल रूपी यज्ञ में आहूति देने के लिए पूर्ण प्रयास किया है इस गांव के बच्चों के लिए गांव में ही होम थियेटर बना दिया गया है जहां पर खेल चैनल के माध्यम से बच्चों को खेल की शिक्षा दी जायेगी। इस गांव में आउटडोर व इंडोर गेम शुरू कराये जायेंगे। खेलने के लिए बच्चों की किट उपलब्ध कराई जाएगी जिसका आधा खर्च संस्था वहन करेगी और आधा खर्च बच्चों को देना पड़ेगा। कुलश्रेष्ठ ने कहा कि यह हमारे लिए बड़े गौरव की बात है कि बहादरपुर खेड़ी विरान में कनिष्क पांडेय ने खेलों का महाकुम्भ शुरू कराने का जो प्रयास किया है वह निश्चित रूप से भविष्य में सफल होगा। कार्यक्रम के दौरान आयोजन में सहयोग करने वाले ग्राम प्रधान बहादरपुर राधेश्याम, खेड़ी विरान प्रधान इमरान सोहल स्कूल की प्रधानाध्यापिकाओं, शिक्षिकाओं एवं कार्यक्रम में सहयोग देने वाले श्रीराम कालेज के शिक्षकों एवं छात्राओं को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में एमडीए सचिव मोद कुमार उपजिलाधिकारी सदर दीपक कुमार उद्योगपति आलोक स्वरूप आदि रहे। कार्यक्रम का संचालन डा. एससी कुलश्रेष्ठ एवं डा. प्रशांत ने किया।

रालोद की बैठक में दौड़ प्रतियोगिता पर मंथन

खेलों से जागृत होती है देशप्रेम की भावना

खेड़ी वीरान-बहादरपुर गांव में जुटे खिलाड़ी, शिक्षाविद और नौकरशाह, युवाओं में जगाई उम्मीद

संवाद सूत्र, सिखेड़ा (मुजफ्फरनगर): खेड़ी वीरान और बहादरपुर का चयन खेल गांव में हो चुका है। इन गांवों में खेल भावनाएं जागृत करने की कोशिश की जा रही हैं।

मंगलवार को गांव में भारत के भूतपूर्व खिलाड़ी, शिक्षाविदों के साथ नौकरशाही जुटे। दो दिवसीय कार्यशाला में ग्रामीणों को खेलों के बारे में जानकारी दी। हॉकी के ओलंपियन खिलाड़ी अशोक ध्यानचंद ने कहा कि खेलों से देश प्रेम की भावना जागृत होती है। उन्होंने कहा कि हम चाहते है कि हमारे द्वारा खींची लकीर को युवा पीढ़ी छोटी कर नए कीर्तिमान गढ़ें।

स्पोर्ट्स ए वे ऑफ लाइफ और आइएमटी गाजियाबाद ने खेल गांव के रूप में बहादरपुर खेड़ी विरान को गोद लिया है। यहां बच्चों में खेल भावना जागृत करने के लिए खेल जगत की नामचीन हस्तियों ने गांव में आकर बच्चों को खेल के लिए प्रेरित किया। अर्जुन अवार्ड से सम्मानित हॉकी के ओलंपिक खिलाड़ी अशोक ध्यानचंद ने कहा कि आज के समय में खेल से बढ़कर कुछ नहीं है। खेल में वह सबकुछ है, जो एक व्यक्ति को जीने के लिए चाहिए। ग्रामीण परिवेश में कुछ कर गुजरने की भावना है, बस उसे जगाने की जरूरत है।

सिखेड़ा क्षेत्र के गांव बहादरपुर खेड़ी वीरान में आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित बच्चे और ग्रामीण • जागरण

प्रसिद्ध ओलंपियन एथलीट गोपाल सैनी ने बताया कि जिस समय हम दौड़ते थे तो एक ही बात दिमाग में होती थी, कि देश की इज्जत का सवाल है। उन्होंने कहा कि जब कक्षा दस के छात्र थे तो एक ही जुनून था, कि जीवन में कुछ करना है कुछ बनकर दिखाना है। आज बच्चों को सब सुविधाएं मिलती हैं, लेकिन पहले ऐसा नहीं था। ओलंपिक समेत अनेक प्रतियोगिताओं में नंगे पैर दौड़कर ही पदक हासिल किए।

द्रोणाचार्य अवार्ड से सम्मानित पहलवान सतपाल यादव ने बताया कि गांव से ही पहलवान निकलते हैं। वह चाहते हैं कि हर गांव में युवाओं के लिए एक अखाड़ा अवश्य होना चाहिए, ताकि युवाओं को इसमें आगे बढ़ने की प्रेरणा मिले। प्रसिद्ध पहलवान सुभाष वर्मा ने कहा कि वह अवसरों का लाभ उठाए और देश का नाम रोशन करें। भारत सरकार के पूर्व सचिव विजय शंकर पांडे ने कहा कि शुरुआत छोटी भले ही हो, लेकिन सोच बड़ी होनी चाहिए। हमारे देश में अपार संभावनाएं हैं, बस उन्हें निखारने की जरूरत है। गांवों में संसाधनों देने से ही खेल जगत को बढ़ावा मिलेगा।

संस्था के संरक्षक डा. एससी कुलश्रेष्ठ ने बताया कि संस्था ने देश में अनेक खेल गांवों का सपना देखा है। इसकी शुरुआत हो गई है। आइएमटी के एचओडी डा. कनिष्क पांडेय ने बताया कि देश की जनसंख्या अधिक होते हुए भी हम खेल में गिने चुने पदक ही जीत पाते हैं। कार्यक्रम का संचालन डा. शशांक ने किया। प्रेरणा मित्तल, प्रमोद कुमार, नीतू सिंह, सपना गुप्ता, भूपेंद्र कुमार, डा. अब्दुल अजीज, सादिया, अनुज, गांव प्रधान राधे श्याम मौजूद रहे।

बहादरपुर में हुई प्रतियोगिता में विजयी प्रतिभागी। छाया: शाह टाइम्स।

आंगन से लेकर मैदान तक खेलने वालों को मिल गया मैडल

शाह टाइम्स संवाददाता

मुजफ्फरनगर। पूरे देश में चर्चा का विषय बना हुआ है मॉडल स्पोर्ट्स विलेज, बहादरपुर और खेडी विरान जो कि एक जुडवां गाँव है, आज खेल जगत में एक मिसाल बन गया। क्या बच्चे। क्या युवा। क्या महिलाएँ। क्या वृद्ध। सभी आज खेलों के रंग में रंगे दिखायी दिये। गाँव की दीवारे । हर घर की चौखट। हर घर का आंगन। हर घर का कमरा। जहां देखों बस खेल ही खेल। खेलों में भी ओलम्पिक खेलों पर फोकस रखा गया है। 'क' से कबूतर की तर्ज पर 'क' से कबड्डी भी सीखेंगे बच्चे। शाम 04 से 06 नहीं चलेंगे कम्प्यूटर व टी.वी. और होगा सिर्फ खेल। गाँव में खुल गई स्पोर्टस शॉप। केवल स्पोर्टस चैनल के लिए लगाया गया एल.ई.डी.। गाँव में होगा खेल मोटिवेटर। आँगन से लेकर खेल के मैदान तक खेलेने वालों को दिया गया मैडल। ओलम्पिक खेलों के प्रमोशन पर रहेगा बल। इस खेलों की दुनिया को एक छोटे से गाँव मे उतारने का श्रेय जाता है स्पोटस ए वे ऑफ लाईफ एन.जी.आ. के अध्यक्ष एवं आइ.एम. टी. गाजियाबाद स्पोर्ट्स रिसर्च सेन्टर के हैड डा. कनिष्क पाण्डेय को। देश में खेलो के पिछड़ने को लेकर कनिष्क ने वैज्ञानिक शोध किया और फिर स्पोर्ट्स निरक्षरता को दूर करने की मुहिम शुरू की। डा. कनिष्क का कहना है कि जब हम खेलों के बारे में जानेंगे ही नहीं और हम आमजन विशेष रूप से बच्चों को खेलों के बारे में बतायेंगे ही नहीं, तो ओलम्पिक खेलों में पदक हम कैसे जीत पायेंगे। खेल साक्षरता ऐसा टर्म था। जो शुरूआत में लोगो को ऊटोपियन दिखता है परन्तु कनिष्क ने इसको हकीकत बनाने के लिए एक गांव को चुना और उनकी पूरी टीम इस काम में तन मन से जुट गयी और इसकी सफलता की पहली सीढ़ी से आज लोग रूबरू हुए। इसके साथ ही द्वितीय चरण की शुरूआत में आज नौनिहालों के बीच खेल प्रवेशिका तथा Know Sports पुस्तिकाऐं एवं खेल कैलेण्डर वितरित की गयी। गाँव में खेल के लिएं निर्धारित समय 04. 00 से 06.00 बजे है और इस समय घर के सभी इलैक्ट्रोनिक गैजेट् जैसे कि-मोबाईल व टी.वी. तथा यहाँ तक की किताबे भी बन्द रहती है, लिखे हुए स्टीकर घर-घर में चिपकायें गये, ताकि सभी को खेल के लिए मोटिवेट किया जा सके। इसके साथ ही खेल पर बनी फिल्म बच्चों को दिखाई गयी, ताकि उन्हें खेल में क्यों भाग लेना चाहिए पता चले। खेल उपकरण उपलब्ध कराने के लिए इस गाँव में एक स्पोर्ट्स शॉप का उद्घाटन किया गया, जहाँ ओलम्पिक खेलों से जुडे सभी उपकरण सतत् मौजूद रहें, ताकि जो बच्चे वास्तव में खेल से जुडना चाहते है, उनकी माँग के अनुरूप उन्हें खेल उपकरण किफायती दामों पर मिल सकें। आई.एम.टी. संस्था द्वारा एक एल.ई.डी. टी.वी. भी इस गाँव को दी गयी है, जिस पर सिर्फ स्पोर्ट्स चैनल ही दिखायें जायेगें और समय-समय पर स्पोर्ट्स पर्सन के इन्टरव्यू तथा स्पोर्ट्स आधारित फिल्म प्रदर्शित की जायेगी। आज के दिन इस गाँव को एक अस्थाई खेल मोटिवेटर भी मिला है, जो कि खेल के लिए निर्धारित समय पर बच्चों को खेल के विभिन्न आयामों से परिचित कराते रहेंगे। इस आर्दश खेल गाँव की सफलता को धीरे-धीरे देश के कई और गाँव तक दोहराने के प्रयास किये जायेंगे, ताकि खेल संस्कृति पूरे देश में विकसित हो जाये और एक समय आये जब हमारे खिलाडी देश का झण्डा ऊँचा करते हुए खेलों की पदक तालिका में सबसे ऊपर रहें। इस गाँव में मंगलवार को एक अनोखे स्पोर्ट्स प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें सभी उम्र वर्ग के करीब 800 महिला और पुरूषों ने विभिन्न खेलों में भाग लिया तथा इन सभी को प्रोत्साहित करने के लिए लीक से हटकर प्रतिभाग करने के लिए मैडल पहनाये गये, जबकि आमतया जीतने वाले को ही मैडल पहनाया जाता है। इस अवसर पर बोलते हुए मुख्य अतिथि एवं हॉकी अर्जुन पुरूस्कार विजेता अशोक ध्यानचन्द ने कहा कि बच्चो को अपने लक्ष्य के लिए बचपन से ही केन्द्रित होकर सकारात्मकता से अपने लक्ष्य पूर्ति के लिए अथक प्रयास करना चाहिए। उन्होने आगे कहा कि बच्चों का खेलो के प्रति रूझान बढाने के लिए स्पोटर्स ए वे ऑफ लाईफ एवं आईएमटी गाजियाबाद के द्वारा जो यह पहल की गई है वह काबिले तारीफ है। यह जरूरी नहीं कि सपनो को साकार करने के लिए पैसा हो, जुनुन एवं कठिन प्रयासो से भी सपने साकार होते है। विजय शंकर पाण्डेय ने कहा कि यह आदर्श खेल गाँव देश में खेल संस्कृति के विकास के लिए एक मील का पत्थर होगा। स्पोटर्स ए वे ऑफ लाईफ के संरक्षक और श्रीराम ग्रुप आफ कॉलेज के चेयरमेन कुलश्रेष्ठ ने कहा कि इस योजना से देश में खेल संस्कृति विकसित होगी। इस अवसर पर बोलते हुए आई.एम. टी. गाजियाबाद के डीन रिसर्च प्रो. पी. के. विश्वास ने कहा कि इस गाँव में खेल को प्रोत्साहित करने के लिए तथा खेल संस्कृति के विकास के लिए हर तरह की आर्थिक सुविधाऐं मुहैया करायी जायेंगी और देश का यह एक अनूठा गाँव भविष्य में बन जायेगा। अति विशिष्ट अतिथि कुश्ती के अन्तर्राष्ट्रीय खिलाड़ी एवं कोच तथा द्रोणाचार्य पुरूस्कार विजेता सतपाल यादव ने कहा कि दो दिन चली इस प्रतियोगिता में बच्चो ने जोश और जुनून के साथ उतरकर आयोजन को सफल बनाने के साथ-साथ अपने खेल कौशल की प्रतिभा को प्रदर्शित किया है। साथ ही खेलों के माध्यम से विद्यार्थियों में अनुशासन और नेतृत्व क्षमता का गुण भी विकसित होता है जो उनके व्यक्तित्व को निखारने का काम करता है। इस अवसर पर स्पोर्टस थिएटर का उद्घाटन अति विशिष्ट अतिथि सुभाष पहलवान, अर्जुन पुरूस्कार विजेता, एशिया चेम्पियन के कर कमलो द्वारा किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में डॉ. प्रेरणा मित्तल, प्राचार्या, श्रीराम कॉलेज, डॉ. प्रमोद कुमार, विभागाध्यक्ष, शारीरिक शिक्षा विभाग, डॉ. नीतू सिंह, डा. अजीज, भूपेन्द्र कुमार, संदीप कुमार, अमरदीप, अनुज, अंकित कुमार, रवि गौतम एवं शारीरिक शिक्षा विभाग व पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के अन्य छात्र-छात्राओं का सराहनीय योगदान रहा।

आदर्श गांव बहादरपुर खेड़ी विरान में कार्यक्रम में मौजूद विद्यार्थी।

घास के ग्राउंड छिनने से बाधित हुआ हॉकी का खेल : अशोक

कहा, ग्रास कोर्ट की जगह एसओ टर्फ कर देने से नए खिलाड़ी नहीं आ पा रहे

संवाद न्यूज एजेंसी

मुजफ्फरनगर। हॉकी के जादूगर कहे जाने वाले मेजर ध्यानचंद के बेटे अशोक ध्यानचंद का कहना है कि घास के ग्राउंड छीनकर एसओ टर्फ यानी सिंथेटिक कोर्ट शुरू कर दिए जाने का नियम खेल को छीनने वाला है। सरकार ने सिंथेटिक कोर्ट बनाए नहीं, ग्रास कोर्ट छीन लिए हैं, इस कारण नए खिलाड़ी आने कम हो गए हैं। राष्ट्रीय खेल के साथ यह मजाक हो रहा है।

सदर ब्लॉक के गांव बहादरपुर और खेड़ी विरान में आयोजित समारोह में शामिल होने आए अशोक ध्यानचंद ने कहा कि नेचुरल ग्रास के ग्राउंड छीनकर हॉकी खिलाड़ियों से खेल छीनने का काम किया गया है। घास के ग्राउंड के स्थान पर एसओ टर्फ यानी सिंथेटिक ग्राउंट का नियम लागू कर देना राष्ट्रीय खेल के साथ धोखा है। जिलों और ग्रामीण अंचल में हॉकी के नेचुरल ग्रास के ग्राउंड ही हैं। नियम तो बना दिया है, लेकिन सिंथेटिक कोर्ट बनाए नहीं गए हैं। एक ग्राउंड में पांच से 15 करोड़ का खर्च आता है। इससे नए खिलाड़ी आने बंद हो गए हैं। उन्होंने कहा कि यूपी का स्पोर्ट्स विभाग क्या कर रहा है। डायरेक्टर का काम खेलों के आयोजन कराना और अच्छे खिलाड़ियों को आगे बढ़ने का मौका देने का होता है। जिस तरह शिक्षा के लिए बच्चों को किताब और कलम दी जा रही है, इसी तरह खेलों के लिए व्यवस्था की जानी चाहिए। प्रतिभा गांवों से ही निकलेगी, प्रतिभा खोजने की आवश्यकता है।

आदर्श गांव बहादरपुर खेड़ी विरान में सम्मानित खिलाड़ी एवं अतिथि।

स्पोर्ट्स विलेज में उतरे खेलों के सितारे

खेल प्रोत्साहन के लिए मॉडल गांव के रूप में विकसित होगा बहादरपुर

अमर उजाला ब्यूरो

गांव में बच्चों और युवाओं को मिलेगी खेल सुविधाएं, परिषदीय स्कूल में एकत्र हुए देश के नामचीन खिलाड़ी

मुजफ्फरनगर। सदर ब्लाक के गांव बहादरपुर- खेड़ी विरान को खेल गांव बनाया गया है। इस गांव में खेलों की सभी सुविधाएं मुहैया कराई जाएंगी। मंगलवार को गांव के परिषदीय स्कूल में आयोजित समारोह में देश के नामचीन खिलाड़ी एकत्र हुए। खेलों की दुनिया को एक छोटे से गांव में उतारने का श्रेय जाता है स्पोर्टस: ए वे ऑफ लाइफ एनजीओ के अध्यक्ष एवं आईएमटी गाजियाबाद के स्पोर्ट्स रिसर्च सेंटर के हैड डॉ कनिष्क पांडेय को, जिन्होंने इसकी शुरूआत की।

देश में खेलों के पिछड़ने को लेकर डॉ कनिष्क ने वैज्ञानिक शोध किया और फिर स्पोर्ट्स निरक्षरता को दूर करने की मुहिम शुरू की। डॉ कनिष्क का कहना है कि जब हम खेलों के बारे में जानेंगे ही नहीं और हम आमजन विशेष रूप से बच्चों को खेलों के बारे में बताएंगे ही नहीं, तो ओलंपिक खेलों में पदक हम कैसे जीत पाएंगे। इसी भावना को लेकर जुड़वा गांव बहादरपुर- खेड़ी विरान को खेल गांव बनाया गया है। इस गांव में खेलने का समय शाम चार से छह बजे रखा गया है। इस बीच मोबाइल, टीवी बंद रहेंगे। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि हॉकी के अर्जुन पुरस्कार प्राप्त अशोक ध्यानचंद ने कहा कि बच्चों का खेलों के प्रति रुझान बढ़ाने के लिए स्पोटर्स: ए वे ऑफ लाइफ, आईएमटी गाजियाबाद एवं श्रीराम कॉलेज के द्वारा जो यह पहल की गई है, वह काबिले तारीफ है। यह जरूरी नहीं कि सपनों को साकार करने के लिए पैसा हो, जुनून एवं कठिन प्रयासों से भी सपने साकार होते हैं।

एथलीट अर्जुन अवार्डी गोपाल सैनी ने कहा कि यह गांव देश के लिए एक दीये के समान होगा, जिसकी रोशनी पूरे देश में फैलेगी और खेल तथा खेल संस्कृति की नई इबारत लिखेंगी। वरिष्ठ आईएएस अधिकारी विजय शंकर पांडेय ने कहा कि यह आदर्श खेल गांव देश में खेल संस्कृति के विकास के लिए एक मील का पत्थर साबित होगा और भविष्य में हमें उम्मीद है कि देश के सभी राज्यों की सरकार खेल को बढ़ावा देने के लिए इस मॉडल को अपनाएगी।

श्रीराम ग्रुप आफ कॉलेज के चेयरमैन एससी कुलश्रेष्ठ ने कहा कि इस योजना से देश में खेल संस्कृति विकसित होगी। अतिविशिष्ट अतिथि कुश्ती के अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी एवं कोच द्रोणाचार्य पुरस्कार विजेता सतपाल यादव ने कहा कि दो दिन चली इस प्रतियोगिता में बच्चों ने जोश और जुनून के साथ उतरकर आयोजन को सफल बनाने के साथ-साथ अपने खेल कौशल की प्रतिभा को प्रदर्शित किया है। खेलों के माध्यम से विद्यार्थियों में अनुशासन और नेतृत्व क्षमता का गुण भी विकसित होता है जो उनके व्यक्तित्व को निखारने का काम करता है। गांव में स्पोर्ट्स थिएटर का उद्घाटन अतिथि सुभाष पहलवान ने किया। कार्यक्रम डॉ प्रेरणा मित्तल, डॉ प्रमोद कुमार, डॉ नीतू सिंह, डॉ अजीज, भूपेंद्र कुमार, संदीप कुमार, अमरदीप, अनुज, अंकित कुमार, रवि गौतम का सहयोग रहा।

क' से कबूतर के साथ कबड्डी भी पढ़ाया जाएगा

बहादरपुर गांव में 'क' से कबूतर के साथ कबड्डी भी पढ़ाया जाएगा। शाम चार से छह बजे तक कंप्यूटर व टीवी नहीं चलेंगे, सिर्फ खेल होगा। गांव में स्पोर्ट्स शॉप खोली गई है। आधे दाम में खेल का सामान मिलेगा। गांव में एक एलईडी लगाई गई है, जिस पर केवल स्पोर्ट्स चैनल ही आएंगे। गांव में खेल मोटिवेटर होगा। आंगन से लेकर खेल के मैदान तक खेलने वालों को मैडल दिया गया।

स्पोर्ट विलेज : आदर्श गांव बहादरपुर खेड़ी विरान में कार्यक्रम में मंचासीन अतिथिगण। संवाद

स्पोर्ट्स थियेटर का शुभारंभ करते अर्जुन अवार्डी सुभाष पहलवान। संवाद

राज्यमंत्री कपिलदेव ने खिलाड़ियों को प्रोत्साहित किया

मुजफ्फरनगर। राज्यमंत्री कपिल देव अग्रवाल ने स्पोर्ट्स स्टेडियम में पहुंचकर खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाया। राज्यमंत्री कपिलदेव अग्रवाल ने कहा कि व्यस्त दिनचर्या में खेल ही एक मात्र साधन है, जो मनोरंजन के साथ साथ हमारे विकास में सहायक है। यह हमारे शरीर को स्वस्थ एवं तंदुरुस्त बनाए रखता है। उन्होंने बैडमिंटन, वॉलीबाल, कुश्ती, बास्केटबॉल, क्रिकेट, दौड़ के खिलाड़ियों को खेलकूद का महत्व समझाकर प्रोत्साहित किया। कपिलदेव ने खिलाड़ियों को बताया कि खेलकूद मनुष्य के जीवन का एक अभिन्न अंग है। जीवन के अन्य कार्य कलापों के साथ-साथ खेल-कूद के लिए भी समय निकालना बहुत आवश्यक है।

संबंधित खबर पेज छह पर

खेलों का माहौल ही दिलाएगा पदक

रणवीर सैनी

हर गांव में कोच हो, जो खिलाड़ियों की प्रतिभा को राष्ट्रीय स्तर पर तराशे। गोपाल सैनी

मुजफ्फरनगर। एथलीट चयन समिति के सदस्य गोपाल सैनी ने कहा कि देश को पदक चाहिए, तो गांवों में खेलों का माहौल बनाना होगा। हर गांव में खेल के मैदान को विकसित करने की आवश्यकता है। अच्छे कोच की भी जरूरत है। कोच खिलाड़ियों को मन से सिखाए, केवल नौकरी पूरी करने का काम न करें।

स्पोर्ट्स विलेज में बनाए गए गांव बहादरपुर व खेड़ी विरान में आयोजित समारोह में आए एथलीट चयन समिति के सदस्य गोपाल सैनी ने कहा कि देश में प्रतिभा की कमी नहीं है। टैलेंट को सामने कैसे लाया जाए, इसको लेकर व्यापक स्तर पर अभी तक काम नहीं हुआ है। गांवों में छोटे बच्चों में ही खेल के प्रति माहौल बनाना होगा। यह माहौल तब बनेगा, जब खेलों की सुविधाएं गांवों में मुहैया होंगी। सरकार को प्रत्येक गांव में खेलों के लिए इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित करना होगा। खेल के मैदान विकसित करने होंगे और इनमें अच्छे कोच रखने होंगे। कोच ऐसे हों जो कि बच्चों को मन से सिखाएं, केवल नौकरी के लिए खानापूर्ति न करें। उन्होंने कहा कि खेलों से युवाओं में राष्ट्रीय भावना का विकास होता है। सरकारी नौकरियों में खेल का कोटा अलग से है, इसमें रोजगार के अवसर भी हैं। आजादी के इतने लंबे समय बाद भी देश में अपेक्षा के अनुसार खेलों का माहौल नहीं बन पाया है। गांवों में परंपरागत खेल ही खत्म होते जा रहे हैं। गोपाल सैनी ने कहा कि वह अपने गुरु पूर्व नेशनल एथलेटिक्स कोच और द्रोणाचार्य पुरस्कार प्राप्त जोगेंदर सिंह सैनी के निधन से दुखी हैं। तीन दिन पूर्व उनका देहांत हुआ है।

मैदान पर हमेशा नंगे पैर दौड़े गोपाल

राजस्थान एथलेटिक्स संघ के अध्यक्ष गोपाल सैनी केंद्र सरकार की द्रोणाचार्य कमेटी और देश की एथलेटिक्स चयन समिति के सदस्य हैं। वह एक मात्र ऐसे भारतीय खिलाड़ी हैं, जो दो बार एशिया महाद्वीप की टीम के कैप्टन रहे हैं और विश्व चैंपियनशिप में एशिया की टीम का नेतृत्व किया। 14 साल देश के चैंपियन रहे और हमेशा नंगे पैर ही दौड़े हैं। वह पहले भारतीय हैं, जिन्होंने 14 मिनट में पांच हजार मीटर की दौड़ पूरी की। आठ मिनट में तीन हजार मीटर दौड़ मात्र पूरी करने का रिकार्ड इन्हीं के नाम है। 15 साल की आयु में जयपुर में खेलों में पदार्पण करने वाले गोपाल 1975 में एशियन चैंपियनशिप में गोल्ड जीत चुके हैं। 1980 में मास्को में आयोजित ओलंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व किया।